कक्षा- 7

विषय- हिंदी

पुस्तक - हिंदी व्याकरण सुधा - भाग 7

पाठ - कारक

महत्त्वपूर्ण दिशा-निर्देश :

- निम्नलिखित विषयवस्तु को ध्यान से पढ़ें और उस पर आधारित कार्य-पत्रक को अभ्यास उत्तर पुस्तिका में कीजिए।
- विस्तृत जानकारी के लिए दिए गए लिंक को क्लिक कीजिए।

https://www.youtube.com/watch?v=hdhApCM3z1k&list=UUXM3b61alvDTJ7BPQ17TfAw&index=93

पाठ का विवरण

कारक

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों से या क्रिया से जाना जाता है, उसे कारक कहते हैं ।
कारकों को बताने वाले जो संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के साथ लगाए जाते हैं, उन्हें विभक्ति या परसर्ग कहते हैं ।

→ श्री राम युद्ध किया ।
→ उन्होंने रावण मारा ।
→ श्री राम रावण तीर मारा ।
→ उन्होंने धर्म रक्षा रावण मारा ।

→ श्री राम **ने** युद्ध किया ।
→ उन्होंने रावण **को** मारा ।

→ श्री राम **ने** रावण **को** तीर **से** मारा ।

→ उन्होंने धर्म की रक्षा **के लिए** रावण **को** मारा ।

कारक के भेद

क्रम	कारक	चिह्न	अर्थ
1	कर्ता	ने	काम करने वाला
2	कर्म	को	जिस पर काम का प्रभाव पड़े
3	करण	से, द्वारा	जिसके द्वारा कर्ता काम करें
4	सम्प्रदान	को,के लिए	जिसके लिए क्रिया की जाए
5	अपादान	से (अलग होना)	जिससे अलगाव हो
6	सम्बन्ध	का, की, के; ना, नी, ने; रा, री, रे	अन्य पदों से सम्बन्ध
7	अधिकरण	में,पर	क्रिया का आधार
8	संबोधन	हे! अरे! अजी!	किसी को पुकारना, बुलाना

1. कर्ता कारक

जैसे

→ सुनील दौड़ लगाता है |

→ मोहन ने पत्र लिखा |

→ संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से कार्य को करने वाले का बोध हो, उसे कर्ता कारक कहते हैं |

→ कर्ता कारक विभक्ति चिह्न "ने" है |

→ "ने" विभक्ति चिह्न का प्रयोग भूतकाल में तथा सकर्मक क्रिया होने पर होता है |

2. कर्म कारक

जैसे → राम ने रावण को मारा |

→ जिस शब्द पर क्रिया के कार्य का प्रभाव पड़े, उसे कर्म कारक कहते हैं |

→ कर्म कारक की विभक्ति "को" है |

→ कर्म की पहचान के लिए "क्रिया" के साथ "क्या" अथवा किसको शब्द लगाकर प्रश्न करते हैं |

जैसे → राम ने रावण को मारा |

प्रश्न - "किसको" मारा ?

उत्तर = रावण को

जैसे → निशा दूध पीती है |

प्रश्न -"क्या" पीती है ?

उत्तर = "दूध"

3. करण कारक

करण कारक – "करण" का अर्थ है – "साधन" |

जैसे → बच्चे गेंद से खेल रहे हैं |

→ जिस साधन के द्वारा कर्ता कार्य करता है, उसे करण कारक कहते हैं |

→ इसका विभक्ति चिह्न "से" है |

→ करण कारक की पहचान के लिए क्रिया के साथ किससे, किसके द्वारा, किसके साथ शब्द लगाकर प्रश्न करने पर जो उत्तर प्राप्त होगा वही करण कारक होगा |

जैसे- राम ने रावण को तीर से मारा |

प्रश्न → "किससे" मारा

उत्तर =तीर से (करण कारक)

4. संप्रदान कारक

→ राम सीता के लिए फल लाया |

→ कर्ता जिसके लिए क्रिया करता है, अथवा जिसे कुछ देता है, उसे संप्रदान कारक कहते हैं|

→ संप्रदान कारक का विभक्ति चिह्न "के लिए" तथा "को" है |

→ इसकी पहचान करने के लिए क्रिया के साथ, किसको, "किसके लिए" प्रश्न करने पर जो उत्तर प्राप्त होता है, वही संप्रदान कारक होता है |

जैसे- अतिथि राधा के लिए उपहार लाए |
प्रश्न → किसके लिए लाए
उत्तर = राधा के लिए (संप्रदान कारक)

5. अपादान कारक

जैसे → गंगा हिमालय से निकलती है |
→पेड़ से पत्ते गिरते हैं |
→ संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से एक वस्तु का दूसरे से अलग होने का, तुलना होने या दूरी होने का भाव प्रकट हो उसे अपादान कारक हैं |
→ इसका विभक्ति चिह्न "से" है |
→ इसकी पहचान के लिए क्रिया के साथ किससे, "कहाँ से" शब्द लगाकर प्रश्न करने से जो उत्तर प्राप्त होगा, वही अपादान कारक होता है |

जैसे – पेड़ से फल गिरा |
प्रश्न → "किससे" गिरा |
उत्तर = पेड़ से

6. संबंध कारक

जैसे → यह पिता जी की गाड़ी है |

→ शब्द के जिस रूप से किसी व्यक्ति/वस्तु का संबंध किसी दूसरे व्यक्ति या वस्तु के साथ जाना जाए, उसे संबंध कारक कहते हैं|
संबंध कारक के विभक्ति चिह्न का, के, की, रा, रे, री, ना, ने, नी, हैं |
→ इसकी पहचान के लिए क्रिया के साथ "किसका, किसकी, किसके" शब्द लगाकर प्रश्न करने पर जो उत्तर प्राप्त होगा, वही संबंध कारक होता है |

जैसे – राम राजा दशरथ के पुत्र थे |
प्रश्न →"किसके" पुत्र थे |
उत्तर = राजा दशरथ के

7. अधिकरण कारक

जैसे – पक्षी डाल पर बैठे हैं |
→ शब्द के जिस रूप से क्रिया का आधार प्रकट हो, उसे अधिकरण कारक कहते हैं |
→ इसके विभक्ति चिह्न हैं – में, पर

→ अधिकरण कारक की पहचान के लिए क्रिया के साथ किसमें, किस पर, कहाँ, या "कब" शब्द लगाकर प्रश्न करने पर जो उत्तर प्राप्त होगा वही अधिकरण कारक होता है |

जैसे – पौधे गमले में लगे हैं |
प्रश्न →"किसमें" लगे हैं ?
उत्तर = गमले में

8. संबोधन कारक

जैसे – हे भगवान ! इस बेचारे की रक्षा करना|

→ शब्द का वह रूप जिससे किसी को पुकारे जाने के भाव का ज्ञान हो, उसे संबोधन कारक कहते हैं |
→ इसके विभक्ति चिह्न हैं-हे!, अरे! आदि |
→ इसकी पहचान इसके चिह्न (!) से होती है |

अभ्यास कार्य

- **सही विकल्प चुनिए-**

प्रश्न १. कारक के कितने भेद होते हैं ?

1. तीन
2. आठ
3. दस

प्रश्न २. वाक्य के क्रिया पद का संज्ञा पदों के साथ संबंध _____ कहलाता है।

1. सर्वनाम
2. विशेषण
3. कारक

प्रश्न ३. कर्म कारक के चिह्न पहचानिए।

1. को
2. की
3. कु

प्रश्न ४. हमने भूखे को भोजन दिया।

1. कर्म
2. करण
3. संप्रदान

प्रश्न ५. संप्रदान कारक के चिह्न पहचानिए।

1. की लिए
2. के लिए
3. का लिए

➢ सही मिलान कीजिए।

के लिए	कर्म कारक
अरे!	संप्रदान कारक
को	अधिकरण कारक
ने	अपादान कारक
से	कर्ता कारक
की	संबोधन कारक
मैं	संबंध कारक
को	करण कारक

➢ उचित विभक्ति भर कर वाक्य पूर्ण कीजिए।

1. उसने मेरी बात मज़ाक _____ ली । (में, पर)
2. बच्चा छत _____ चला गया । (पर, ने)
3. दस बजने _____ चार मिनट हैं। (को, में)
4. रमेश _____ एक बेटी है। (को, की)
5. मैं दिल्ली _____ रहता हूँ । (में, की)

➢ निम्नलिखित अनुच्छेद में कारक चिह्न रेखांकन कर उसके भेद बताइए।

भक्त प्रह्लाद के पिता हरिण्यकश्यप स्वयं को भगवान मानते थे। वह विष्णु के विरोधी थे जबकि प्रह्लाद विष्णु भक्त थे। उन्होंने प्रह्लाद को विष्णु भक्ति करने से रोका जब वह नहीं माने तो उन्होंने प्रह्लाद को मारने का प्रयास किया। प्रह्लाद के पिता ने आखर अपनी बहन होलिका से मदद मांगी। होलिका को आग में न जलने का वरदान प्राप्त था। होलिका अपने भाई की सहायता करने के लिए तैयार हो गई। होलिका प्रह्लाद को लेकर चिता में जा बैठी परन्तु विष्णु की कृपा से प्रह्लाद सुरक्षित रहे और होलिका जल कर भस्म हो गई। यह कथा इस बात का संकेत करती है की बुराई पर अच्छाई की जीत अवश्य होती है। आज भी पूर्णिमा को होली जलाते हैं, और अगले दिन सब लोग एक दूसरे पर गुलाल, अबीर और तरह-तरह के रंग डालते हैं। यह त्योहार रंगों का त्योहार है।

➢ रंगीन शब्दों के कारक बताइए।

1. मेज पर किताब रखें ।
2. पेड़ से पत्ते गिर रहे हैं ।
3. हमारा गाँव दूर है ।
4. गरीबों को दान करें ।
5. वह घर में है ।
6. हाथ से गिलास गिर गया ।